राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने झारखंड के 9 ज़िलों को 'भूमि सम्मान 2023' से सम्मानित किया

चर्चा में क्यों?

18 जुलाई, 2023 को राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में भूमि संबंधित दस्तावेज़ों के राइट ऑफ रिकॉर्ड का बेहतर ढंग से डिजिटिलाइजेशन करने को लेकर झारखंड के नौ ज़िलों को 'भूमि सम्मान 2023' से सम्मानित किया।

प्रमुख बिंदु

- केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने डिजिटल इंडिया भूमि रिकॉर्ड आधुनिकीकरण कार्यक्रम (डीआईएलआरएमपी) के तहत 9 राज्यों के सचिवों और 68 कलेक्टर्स को पुरस्कार दिये।
- भूमि सम्मान 2023 के लिये झारखंड के नौ ज़िलों का चयन हुआ। इसके तहत गुमला, लोहरदगा, सिमडेगा, चतरा, गिरिडीह, खूंटी, सरायकेला-खरसावां, पश्चिमी सिंहभूम और दुमका ज़िले को यह सम्मान मिला है।
- इन ज़िलों के डीसी के नेतृत्व में संबंधित अपर समाहर्ता एवं अन्य राजस्व पदाधिकारी द्वारा डिस्ट्रिक्ट टीम की ओर से राष्ट्रपति के हाथों यह पुरस्कार ग्रहण किया गया। वहीं राज्य की ओर से राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग के सचिव अमिताभ कौशल के नेतृत्व में भू-अर्जन, भू-अभिलेख एवं परिमाप के निदेशक उमा शंकर सिंह और संयुक्त निबंधन महानिरीक्षक शहाब सिद्दीकी द्वारा यह पुरस्कार ग्रहण किया गया।
- गुमला डीसी सुशांत गौरव को भूमि सम्मान से नवाज़ा गया। ज़िले में 99 प्रतिशत से अधिक राइट ऑफ रिकॉर्ड जैसे सेल डीड, खतियान एवं अन्य भूमि संबंधित दस्तावेज़ों का डिजिटिलाइजेशन किया गया है। इस साल गुमला ज़िले के लिये यह दूसरा सुनहरा अवसर रहा, जब ज़िले को राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार मिला। इससे पूर्व गुमला ज़िले को देश का प्रतिष्ठित पीएम अवॉर्ड भी मिल चुका है।
- सरायकेला-खरसावां के उपायुक्त अरवा राजकमल को भूमि सम्मान 2023 से सम्मानित किया गया। ज़िले में भी भूमि संबंधी सभी कार्य ऑनलाइन हुए हैं, जिसके कारण उपायुक्त एवं टीम को भूमि सम्मान-2023 प्लेटिनम सर्टिफिकेट प्रदान कर भूमि रिकॉर्ड सुधार के लिये संचालित अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये सम्मानित किया गया।
- इसके अलावा भूमि रिकॉर्ड सुधार के लिये संचालित अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने हेतु खूंटी उपायुक्त शशि रंजन और टीम को राष्ट्रपति ने भूमि सम्मान 2023 प्लेटिनम सर्टिफिकेट प्रदान किया। खूंटी को छह अलग-अलग बिंदुओं पर सम्मानित किया गया है।
- डिजिटिल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम (डीआईएलआरएमपी) में सौ फीसदी पूर्णता हासिल करने को लेकर लोहरदगा ज़िला के डीसी डॉ. वाघमारे प्रसाद कृष्ण को भूमि सम्मान 2023 से सम्मानित किया गया।
- उल्लेखनीय है कि डिजिटिल इंडिया भूमि रिकॉर्ड आधुनिकीकरण कार्यक्रम (डीआईएलआरएमपी) के तहत लैंड रिकॉर्ड के आधुनिकीकरण, समुचित संरक्षण एवं कुशल प्रबंधन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को भूमि सम्मान दिया जाता है। इसके तहत देश के 28 राज्यों या केंद्र शासित प्रदेशों के 766 ज़िले में भूमि रिकॉर्ड का डिजिटिलीकरण की प्रक्रिया चल रही है। भूमि सम्मान के रूप में उत्कृष्ट ज़िलों को प्लैटिनम ग्रेडिंग सर्टिफिकेट दिया जाता है।
- विदित है कि डिजिटिल इंडिया लैंड रिकॉर्ड्स मैनेजमेंट प्रोग्राम केंद्र सरकार के शत-प्रतिशत वित्तपोषण से डिपार्टमेंट ऑफ लैंड रिसोर्सेस द्वारा वर्ष 2008-9 से चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नागरिकों की सुविधा की दृष्टि से आधुनिक, विस्तृत और पारदर्शी भू-अभिलेख प्रबंधन प्रणाली विकसित करना है।
- कार्यक्रम के अंतर्गत जनवरी 2022 के बाद से अच्छा कार्य करने वाले ज़िलों को पुरस्कृत करने के लिये उनके द्वारा कार्यक्रम के एमआईएस पर अंकित डाटा के आधार पर मंथली ग्रेडिंग प्रणाली लागू की गई है। इसमें 90% से 95% तक सिल्वर, 95% से 99% तक गोल्ड और 99% से अधिक कार्य दक्षता पर प्लैटिनम ग्रेड प्रदान की जाती है।

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/president-draupadi-murmu-awarded-bhoomi-samman-2023-to-9-districts-of-jharkhand